

## डोर-टू-डोर पार्सल प्रोडक्ट योजना

### चर्चा में क्यों?

1 जनवरी, 2023 को बिहार की राजधानी पटना में आयोजित भारतीय रेलवे और डाक विभाग (बिहार सर्कल) के अधिकारियों और कारोबारियों की बैठक में बताया गया कि अब पटना के कारोबारियों को ट्रेन से अपना पार्सल (सामान) देश के किसी भी कोने में भेजने और प्राप्त करने के लिये रेलवे स्टेशन का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा, इसके लिये डाक विभाग और भारतीय रेलवे मलिकर डोर-टू-डोर पार्सल प्रोडक्ट योजना शुरू कर रहे हैं।

### प्रमुख बंदि

- अधिकारियों से मली जानकारी के अनुसार डोर-टू-डोर पार्सल प्रोडक्ट योजना जनवरी के दूसरे सप्ताह में पायलट प्रोजेक्ट के तहत पटना-हावड़ा और पटना-पुणे रूट पर शुरू होगी। इसके तहत अब पोस्टमैन पार्सल को इस पर दिये गए पते पर पहुँचाएगा या लेने भी जाएगा।
- इस योजना के तहत पार्सल को बनिा टूट-फूट के सुरक्षति पहुँचाया जाएगा। इसके लिये डाक विभाग ने बजाज एलयांज बीमा कंपनी के साथ समझौता कयिा है, जसिाके तहत पार्सल के कुल लागत का 30 फीसदी और जीएसटी प्रीमियम देकर बीमा भी करा सकते हैं।
- इसके तहत सौ फीसदी बीमा का लाभ कारोबारियों को मलिया। इसके अलावा कारोबारियों का पार्सल को बुकगि स्थान पर 24 से 36 घंटे के बीच पहुँच जाएगा। इस योजना के तहत 35 से 100 कलियो तक का पार्सल बुक कयिा जाएगा।
- सूत्रों से मली जानकारी के अनुसार इस सुवधिा के उपयोग के लिये एक नंबर भी जारी कयिा जायेगा। इसके अलावा एप और वेबसाइट के जरयिे भी पार्सल की बुकगि और ट्रेकगि की सुवधिा दी जाएगी।
- ज्वाइंट पार्सल प्रोडक्ट प्रणाली के तहत पार्सल कारोबारियों के घर से ही उठाया जाएगा। बुक करने के बाद रेलवे से उसका परविहन होगा और फरि नरिाधारति पते तक पहुँचाया जाएगा। पार्सल को कारोबारियों के घर से उठाने तथा बुकगि का काम डाक विभाग करेगा। फरि उस पार्सल को रेलवे नरिाधारति पते के पास के रेलवे स्टेशन तक पहुँचायेगा। इसके बाद डाककर्मी स्थानीय रेलवे स्टेशन से पार्सल उठाएगा और बुक हुए पते तक पार्सल को पहुँचाएगा।